visible to about 35 per cent of the world. The satellite will be used for telephone, telex and television.

## SHORT NOTICE QUESTION

### Sale of Forged Postal Stationery from G.P.O., Delhi

+

S.N.Q. 16. SHRIMATI ILA PAL-CHOUDHURI:

SHRI MEETHA LAL MEENA:

SHRI OM PRAKASH TYAGI:

SHRI BENI SHANKER SHARMA:

SHRI YASHWANT SINGH KUSHWAH:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING AND COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the reported sale of forged Postal Stationery from the Kashmere Gate G.P.O., Delhi;

(b) whether it is a fact that the Delhi Postal authorities are reportedly getting printed some postal stationery at a private Offset Prining Press in Delhi;

(c) wheher it is also a fact that the Delhi Police have discovered an inter-State racket in printing of fake postal stationery;

(d) if so, what action Government propose to take to stop the sale of forged postal stationery, printing of postal stationery at a private firm in Delhi and action against the inactive Postal authorities in Delhi; and

(e) the estimated loss which the Postal Department have suffered as a result of the sale of forged postal stationery?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING AND COMMUNICATIONS (SHRI SATYA NARAYAN SINHA): (a) Yes, Sir. Fake postcards have come to notice in circulation but these do not appear to have been sold from Kashmere Gate General Post Office, Delhi, or from any other post office.



(b) To meet the shortage, blank inland letter cards (without stamp imprint) are being got printed occasionally by the Department at some presses in the country including one at Delhi.

(c) The Delhi Police registered a case on a complaint made by the extra-Departmental stamp vendor of Amroha post office in Uttar Pradesh and are carrying out investigations on the information furnished by the postal official.

(d) The Director of Postal Services, Delhi has issued instructions to all Post Offices to carefully check their stock of postage stationery and guard against any forged items. Similar instructions have been issued to all Circles. The question will be considered in all its aspects on receipt of the report from the Delhi Police. It may however be added that according to the existing instructions in the Post Office Guide, blank inland letter card forms and blank postcards can be printed even by a private individual for being sent by post after affixing the necessary postage stamps. There was, therefore, nothing wrong in the Department getting blank inland letter forms printed at private presses in order to meet the shortage of inland letter cards. According to information available so far, forged postcards have not been sold through post offices.

(e) The loss to the Department is estimated at about Rs. 18,350/- on the basis of the facts so far available.

SHRIMATI ILA PALCHOUDHURI: Is it a fact that actually about 8000 postcards have been discovered by the police through various raids? Secondly, is it a fact that the vigilance section of the P&T Department knew about these forged postcards, but for nine months, nothing was done about it. The flow of postcards and inland letters has been blocked in various post offices and there are not enough of them to be had. What is being done about it? The Nasik Press can produce more of the postal stationery, because the crime branch have said that once you give it to the private presses to print these postcards and inland letters, it is only another step for them to forge the stamp. As you will see, the postcards that have been forged are a very good piece of handiwork. Evidently, when their handiwork is very good, they can print stamps in no time. What is Government going to do to take care of this?

SHRI SATYANARAYAN SINHA: Not only 7,000 but when the raid was carried out 11,500 fake postcards were recovered by the police. When the stamp vendor got the information, immediately be informed the Departmental authorities and in a few weeks, he informed the police and the police started the investigation. It is not a question of nine months.

About the fake postcards—I can place them before the House—it is very difficult to find out which is fake and which is genuine. Some hon. friend suggested to me as a joke that they should be recommended for the award of Padma Shri or Padma Bhushan for fine printing. There is no doubt about it. When we sent this postcard to the Nasik press, it was difficult for them also in the first instance to distinguish. When we sent a large number of post cards to them, then only they could distinguish between the two.

So far as the inland letters are concerned, any private individual can get blank inland letters printed but they must affix a stamp before posting. 90 per cent of the gentlemen in the country use not the embossed envelope but their own envelopes and Inland cards and just affix the stamp. As to printing inland letters without the stamp, we sometimes allow it because the stock runs short.

SHRIMATI ILA PALCHOUDHURI: The hon. Minister has said that it is quite usual to give it to a private offset printing press to be printed, but these postcards that have been forged have been forged with stamps and not without stamps.

SHRI SATYA NARAYAN SINHA: Therefore it is a crime and is being investigated. Eight or nine people have already been arrested in this connection.

**श्री मीठा लाल मीना** : जितने आदमी पकड़े गये, क्या उन में पोस्ट-आफिस के कर्मचारी भी शामिल थे ? ऐसा सुनने में आया है कि आपने पोस्ट-आफिसों पर छापा नहीं मारा, सिर्फ प्राइवेट छापेखाने पर छापा मारा है । अगर आप पोस्ट आफिसों पर भी छापा मारते, तो वहां भी ये चीजें मिलतीं, क्योंकि पोस्ट आफिसों के कर्मचारी भी इस में शामिल हैं । मैं यह भी जानना चाहता हूं कि अब गांवों में क्या होगा, शहरो में तो आप कार्यवाही कर सकते हैं, लेकिन गांवों में जहां भोले-भाले आदमी हैं, वहां अगर खुले-आम ये चीजें बिकें तो उन को तो इस के बारे में मालूम नहीं पड़ सकता । इस लिये गांवों के बारे में आप क्या सतर्कता बरत रहे हैं, ताकि वहां इस तरह की घटना न हो?

**श्री सत्य नारायण सिंह** : जो लोग गिरफ्तार हुए हैं, उन में एक भी आदमी पोस्ट-आफिस का नहीं है और ये चीजें उन के घरों से पकड़ी गई हैं । जहां तक गांवों का प्रश्न है, हम ने तमाम सर्किल आफिसरों को लिखा है कि वे आपने नीचे के तमाम लोगों को इत्तिला दें कि वे होशियार रहें । इस तरह के पोस्टकार्ड आ गये हैं, उन की जांच-पडताल किया करें ।

**श्री ओम प्रकाश त्यागी** : अध्यक्ष महोदय, सी० बी० आई० की जिस पुलिस ब्रान्च ने इन लोगों को पकड़ा है, उस की रिपोर्ट कल के 'इण्डियन एक्सप्रेस' में आ चुकी है, लेकिन मुझे खेद के साथ कहना पडता है कि मंत्री महोदय ने उस रिपोर्ट को अभी तक नहीं पढ़ा है । आप कहते हैं कि सिर्फ 600 जाली पोस्टकार्ड पकड़े हैं, जब कि सी०बी० आई० रिपोर्ट में जो लोग पकड़े गये हैं, उन्होने बताया है कि वे 2 लाख 75 हज़ार जाली पोस्ट-कार्ड छाप कर बेच चुके हैं—यह 'इण्डियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट है । मैं यह भी जानना चाहता हूं कि क्या सी० बी० आई० की रिपोर्ट में यह भी है कि जब उन्होंने 28 मार्च, को सदर बाजार में एक जगह छापा मारा और जाली पोस्ट-कार्ड पकड़े तो डाक विभाग के अधिकारियों ने यह स्वीकार किया है कि उन के पास इस की खबर पहले से आ चुकी थी, लेकिन उन्होंने जब सी० बी० आई० ने छापा मार कर इन लोगों को पकड़ा, तभी इस प्रकार की सूचना पुलिस को दी ।

दूसरा प्रश्न—आपने कहा है कि हमारे पोस्ट आफिस से कार्ड नहीं बेचे गये, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि गवर्नमेन्ट की ओर से जो आपके एजन्ट हैं, जिन को आप डेढ़ परसेन्ट कमीशन देते हैं, ये जाली पोस्ट कार्ड उन्हीं के द्वारा बेचे गये । तो मेरे दो प्रश्न हैं । एक तो यह कि जिन पोस्ट आफिस के अधिकारियों की ओर यह संकेत है कि

उन्हें जानकारी थी, उन्होंने स्वीकार भी किया है लेकिन उन्होंने समय पर पुलिस में रिपोर्ट नहीं कराई, उन पोस्ट आफिस के अधिकारियों को क्या आप डिसमिस या सस्पेंड करेंगे ?

मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि आपने जो कमीशन एजेन्सी की प्रणाली स्टेम्पादि बेचने के लिए रखी है जिसके द्वारा यह षडयन्त्र चला है और जिससे सरकार को लाखों का घाटा हुआ है, क्या उस प्रणाली को समाप्त करने पर आप विचार करेंगे ।

**श्री सत्य नारायण सिंह** : एजेन्सी प्रणाली को समाप्त करने के प्रश्न पर तो मैं अभी कोई बात नहीं कह सकता । लेकिन जैसा कि मैंने बताया कि पुलिस इन्वेस्टिगेशन से यह पता चला कि एक लाख 95 हजार जाली पोस्टकार्ड छपे और करीब करीब 11,500 पोस्टकार्ड नहीं बेचे जा सके थे लेकिन अभीतक पुलिस की कोई ऐसी रिपोर्ट नहीं है कि उसमें हमारे आफिशियलस का कल्यूजन रहा हो। अगर ऐसी रिपोर्ट से यह पता चलेगा कि उनका कल्यूजन हुआ है तो उनके ऊपर भी कार्यवाही की जायेगी । परन्तु अभीतक पुलिस की रिपोर्ट से ऐसी कोई खबर नहीं आई है ।

**श्री ओम प्रकाश त्यागी** : कमीशन एजेन्सी समाप्त करने के सम्बन्ध में आप क्या कह रहे हैं ?

**श्री सत्य नारायण सिंह** : कमीशन एजेन्सी अभी बन्द कर दी जाये तो मुश्किल हो जायेगा । इसपर सोच विचार करके ही कोई फैसला किया जा सकता है । तो जो कमीशन एजेन्ट फोर्ज्ड पोस्टकार्ड बेचते हैं, अगर जांच के बाद यह खबर आयेगी तो उनको जरूर हटा दिया जायेगा । पुलिस अभी इसकी जांच कर रही है ।

**श्री राम सेवक यादव** : कहीं कमीशन एजेन्टस के थ्रू ही यह फ्राड तो नहीं चल रहा है ?

**श्री सत्य नारायण सिंह** : जब पुलिस की पूरी रिपोर्ट आ जायेगी उसके बाद हम सोचेंगे कि कहां कहां पर चोरी को रोकने के लिए ठीक तरह से इन्तजाम किया जाये ।

**श्री बेणी शंकर शर्मा** : मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जो जाली पोस्टकार्ड पकड़े गए हैं उनका कागज़ क्या करीब करीब 99.9 परसेन्ट वैसा ही है जैसा कि सरकारी पोस्ट कार्डों का होता है ? और क्या जिन कागजों पर जाली पोस्ट कार्ड बनाये गये हैं वैसा कागज सरकार अपने किसी खास कारखाने में बनवाती है या किसी भी प्रावेइट फैक्टरी से वे लोग वैसा कागज़ खरीद लेते हैं ? दूसरी बात मैं यह जानना चाहता हूं कि क्या पोस्टकार्ड के अलावा इनलैंड लेटर में भी इस प्रकार की जालसाज़ी पकड़ी गई है ?

**श्री सत्य नारायण सिंह** : इनलैंड लेटर तो उसी तरह से होता है जैसे कि लिफाफा होता है यानी आप अपना भी सादा लिफाफा छपा सकते हैं या बाजार से खरीद सकते हैं लेकिन उसपर स्टैम्प लगाना होता है ।... (**व्यवधान**) ... जहांतक पोस्टकार्ड की बात है, मेरे सामने दोनो ही पोस्टकार्ड हैं और इन दोनों पोस्टकार्डों के कागज में फर्क है । अगर आप इनको अलग अलग देखेंगें तो पता नहीं चलेगा लेकिन जब दोनों सामने आयेंगे तो पता चल जायेगा । इनमें एक का कागज़ मोटा है और दूसरे का पतला है । ... (**व्यवधान**) ....

**अध्यक्ष महोदय** : आप ये दोनों मोटे और पतले पोस्टकार्ड लाइब्रेरी में रख दीजिए ताकि मेम्बर्स देख लें ।

**श्री यशवन्त सिंह कुशवाह** : क्या यह बात सही है कि इस जाली मुनाफाखोरी के काम में नीचे से ऊपर तक के कई अधिकारियों का हिस्सा बंधा हुआ था और हिस्सा बांट में कुछ झगडा पड़ने से ही यह मामला प्रकाश में आया ? और क्या मन्त्री महोदय इस मामले को सी० बी० आई० के सुपुर्द करेंगे ताकि अस्लियत का पता चल सके कि कितने लम्बे समय से सरकार को कितना बड़ा धोखा दिया जा रहा है ? और क्या सरकार यह भी बताने की कृपा करेंगी कि आइंदा इस तरह की घटना न हो सके, इसके लिए क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

**श्री सत्य नारायण सिंह:** चोरी और इस तरह की फोर्जिंग के लिए अगर कोई कहे कि एकदम हमेशा के लिए इसको बन्द कर दिया जाये तो वह बन्द नहीं हो सकती है । . . . (**व्यवधान**) . . . हालांकि इस बात की कोशिश हमेशा होती है कि इस चीज़ को रोका जाये ।. . (**व्यवधान**) . . . .

**श्री राम सेवक यादव** : अध्यक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है मन्त्री महोदय के उत्तर के सिलसिले में । मन्त्री महोदय अगर यह मानकर चलेंगे कि पूरे तौर पर चोरी बन्द नहीं हो सकती है तो फिर मन्त्री महोदय यहां पर बैठ कर क्या करेंगे ? इस तरह से तो उसको और भी बढ़ावा मिलेगा ।

**श्री रवि राय** : क्या आप यह मानकर चलते हैं कि चोरी चलेगी ? . . . (**व्यवधान**) . . .

**अध्यक्ष महोदय** : इसमें मेरे लिए व्यवस्था, देने की कोई बात नहीं है ।. . . (**व्यवधान**) . . .

**श्री सत्य नारायण सिंह** : मैं ने तो आपको प्रैक्टिकल बात बताई कि एकदम कतई चोरी बन्द हो जाये यह सम्भव नहीं है । आजतक दुनिया की कोई भी सरकार उसको बन्द नहीं कर सकी है और यहां भी वह सम्भव नहीं है।. . . (**व्यवधान**). . .

**श्री रवि राय** : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री महोदय के उत्तर पर मेरी आपत्ति है । यह मन्त्री महोदय क्या बता रहे हैं ? . . . (**व्यवधान**) . . . . जब चोरी बन्द करने के लिए उनका संकल्प नहीं है तो फिर चोरी कैसे बन्द हो सकती है ?

**अध्यक्ष महोदय** : आप कहिए कि हमेशा के लिए बन्द कर दूंगा ।

**श्री सत्य नारायण सिंह** : मैं आपको यह बता रहा था कि हर जगह इस बात की कोशिश होती है कि उसको बन्द किया जाये । मैं तो प्रैक्टिकल जबाब दे रहा था । . . . (**व्यवधान**) . . . .

**अध्यक्ष महोदय** : आप लोगों को थोड़ा बहुत एप्रीशिइट भी करना चाहिए कि मिनिस्टर साहब साफ साफ कह रहे हैं । अगर वह कहेंगे कि हमेशा के लिए बन्द कर दूंगा तो आप नहीं मानेंगें और अगर कहते हैं कि नहीं होगा तब भी नहीं मानते हैं । . . . (**व्यवधान**) . . .

**श्री सत्य नारायण सिंह** : हालत यह है कि हम कुछ भी कहें, आपको तो हल्ला करना ही है।. . (**व्यवधान**) . . . नीचे से ऊपर तक पुलिस वालों को, सी० बी० आई० को पूरा अख्तियार दिया गया है और दोबारा भी उनसे कहा जायेगा कि जो भी लोग उसमें शामिल हों, चाहे गवर्नमेंन्ट के आफिशियल्स हों, सभी का पता लगाना चाहिए । जब पुलिस की पूरी रिपोर्ट आ जाएगी तो जिसके खिलाफ भी कोई चीज़ पाई जायेगी उसको काफी सजा दी जायेगी ।

**श्री अ० सिं० सहगल** : मैं मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि एक लाख 95 हजार जो फोर्ज्ड पोस्टल कार्डस् हैं जोकि काम में लाये जा रहे हैं, उसके सिलसिले में आपने जिन लोगों को गिरफ्तार किया है उनपर आप कौन कौन सी कार्यवाही कर रहे हैं ?

**श्री सत्य नारायण सिंह** : अभी अभी तो गिरफ्तार हुए हैं, उनपर पुलिस की रिपोर्ट होगी और मुकदमा चलाया जायेगा । अभीतक 9 आदमी ही गिरफ्तार हुए हैं, हो सकता है दस, बीस पच्चीस आदमी और गिरफतार किये जायें क्योंकि अभी पुलिस का इंवेस्टिगेशन चल रहा है ।

**श्री स० मो० बनर्जी** : अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं मन्त्री महोदय को बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने सच्ची बात कही है कि चोरी बन्द नहीं हो सकती है । . . . (**व्यवधान**) . . .

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : चोरी बन्द न हो, इसपर बधाई दे रहे हैं ।

**श्री स० मो० बनर्जी** : मेरा सवाल यह है कि प्राइवेट प्रिंटिंग प्रेस में छपे थे और वहां पर लोग पकड़े गए हैं तो क्या यह बात सच है कि जब तक देश में मिक्स्ड एकोनामी रहेगी-प्राइवेट और पब्लिक सेक्टर-तबतक इस तरीके की चोरी प्राइवेट सेक्टर में हमेशा हुआ करेगी तो प्राइवेट सेक्टर में इस काम को क्यों दिया जाता है पब्लिक सेक्टर, गवर्नमेन्ट प्रेस में क्यों नहीं दिया जाता है ? . . . (**व्यवधान**) . . .

Sir, my question was this: There is a mixed economy in our country where both private sector and public sector exist. Since these post-cards were found at a private press, they were actually printing them and they were found responsible for that, why has this been given to a private press? Why should it not be done only by the Government press? The contract given to a private press should be cancelled.

SHRI SATYA NARAYAN SINHA: Private sector people have not been asked to make forged postcards. Only blank postcards they can print. The confusion is perhaps because we have given this order to a private firm.

**श्री महाराज सिंह भारती** : विभाग का कहना है कि पोस्ट कार्ड पर लागत सरकार की ज्यादा आती है इसलिये यह धंधा घाटे में चलता है। तो मैं जानना चाहूंगा कि यह जो प्राइवेट सेक्टर के इन लोगों ने चोरी से पोस्ट कार्डस् को छाप कर बड़े मुनाफ़े के साथ और घूस रिश्वत दे कर बाजार में बेचा है, क्या सरकार उन से सम्पक स्थापित कर के जानने की कोशिश करेगी कि उन की कास्ट आफ प्रोडक्शन कम क्यों थी और सरकार की क्यों ज्यादा है ?

**सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय और संचार विभाग में राज्य मंत्री (श्री शेर सिंह)**: कार्ड की छपाई पर पैसा ज्यादा नहीं खर्च होता बल्कि इस के डिलिवरी वगैरह पर जो खर्च आता है उस तमाम को लगाकर मैं ने कहा कि घाटा रहता है। जब कोई आदमी चिट्ठी डालता है तो उसकी डिलिवरी वगैरह का खर्चा लगा कर घाटा पड़ता है। वैसे कार्ड की कौस्ट आफ़ प्रोडक्शन ज्यादा नहीं है जिस में घाटा पड़ता हो। कास्ट आफ़ प्रोडक्शन करीब तीन पैसे आती है और सारा खर्चा डिलिवरी का लगा कर जब ज्याद पड़ जाता है तब महकमे को घाटा रहता है। लेकिन अकेले इस के प्रोडक्शन में घाटा नहीं रहता है।

**श्री प्रेम चन्द वर्मा** :क्या यह ठीक है कि जिस प्रेस में यह स्टेशनरी छपी है वह दिल्ली के हौज़ काज़ी इलाके में है और उस इलाके में जो यह प्रेस है उस के साथ जो उस के पार्टनर हैं . . .

**अध्यक्ष महोदय** : आप सीधा प्रश्न पूछिये, बहस में क्यों जाते हैं।

**श्री प्रेम चन्द वर्मा** : जिस प्रेस में यह स्टेशनरी छपी है उस प्रेस के मालिक को गिरफ्तार किया गया, या उसका कोई और हिस्सेदार गिरफ्तार किया गया है ? ब्लाक पकड़ा गया, मशीनरी पकड़ी गयी और सारी की सारी चीज़े, जैसे जो डिज़ाइन बने हुए थे वह पकड़े गये हैं या नहीं ? और अगर डिज़ाइन पकड़े गये तो डिज़ाइन बनाने वाला कौन है, क्या आप इन सारी डिटेल्स में गये हैं कि नहीं ? अगर नहीं, तो मैं बताता हूं।

**श्री शेर सिंह** : सब डिटल्स में गये हैं। प्रेस के मालिक पकड़े गये हैं, डिज़ाइन आर्टिस्ट भी पकड़ा गया है। जो आठ आदमी पकड़े गये हैं उन के नाम इस प्रकार हैं :

1. Shri Babu Lal Gupta.
2. Shri Parshotam Lal, Proprietor, Everest Press.
3. Shri Mohd. Yusuf, Proprietor, Sardar Printing Press.
4. Shri Zahir, Pressman, Naini Press.
5. Shri Abdul Azim, Design Artist.
6. Shri Sharafat Ali Quereshi of Amroha.
7. Shri Mangat Ram of Globe Press.
8. Shri Triloki Nath alias Bawe.

**श्री प्रकाशवीर शास्त्री** : म मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि अभी कुछ दिन पहले दिल्ली से प्रकाशित होने वाली दैनिक पत्र "हिन्दुस्तान" में नागा लैन्ड के कुछ जाली डाक टिकटों के चित्र प्रकाशित हुए थे, और उस दनिक अखबार में यह निकला था कि यह बनावटी डाक टिकट जो वहां चलते हैं यह दिल्ली के कनाट प्लेस में बिकते हुए पकड़े गये हैं। तो पोस्ट कार्ड के सम्बन्ध में आप ने बता दिया कि मोटा और पतला देख कर अंदाजा लगा लिया जायगा कि यह सरकारी है या गैर सरकारी लेकिन डाक-टिकट के सम्बन्ध में कौन सा माप दंड अपनाया जायगा, यह मंत्री जी बता दें।

श्री शेर सिंह : जिन डाक टिकटों का जिक्र माननीय सदस्य ने किया वे डाक टिकट इस देश में नहीं छपे हैं बल्की विदशों में छपे हैं। बाहर कुछ लोगों ने सुन्दर सुन्दर टिकट छाप कर और उन के ऊपर कुछ परिन्दो आदि के चित्र बनाकर नागालैंड के नाम से छाप कर बेचा है। कुछ लोगों ने इस का व्यापार किया और हमारे देश में भी कुछ वह टिकट पकड़े गये। लेकिन वह हमारे देश में नहीं छपते हैं। वह तो बाहर छपते हैं और बाहर ही ज्यादा बिकते हैं।

## WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

### Sale of Paddy by Manipur Administration to Food Corporation of India

*901. SHRI M. MEGHACHANDRA : Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether the Manipur Administration is making arrangement with Food Corporation of India this year ;

(b) if so, the amount of paddy to be sold and the rate at which the Food Corporation is purchasing ;

(c) whether the Manipur Administration is making arrangement with the Food Corporation of India for the latter's purchase of paddy from the peasants and landowners who want to sell paddy at a fair price ; and

(d) if so, the nature of the arrangement ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION (SHRI ANNASAHIB SHINDE) : (a) and (b). The Manipur Administration had offered to the Food Corporation of India a quantity of 7,000 tonnes of paddy procured locally by the Administration. However the Administration has since dropped its earlier idea of exporting paddy, as a matter of policy.

(c) and (d). The Manipur Administration has approached the Food Corporation of India to undertake procurement of paddy from the next crop. The matter is under the consideration of the Food Corporation of India.

### मध्य प्रदेश में 'अपना टेलीफोन लगाओ' योजना के अधीन टेलीफोन कनेक्शनों के लिये विचाराधीन आवेदन-पत्र

*902. श्री गं० च० दीक्षित : क्या सूचना तथा प्रसारण और संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में 'अपना टेलीफोन लगाओ' योजना के अधीन कितने आवेदन-पत्र विचाराधीन हैं ;

(ख) ये आवेदन-पत्र कितनी अवधि से विचाराधीन हैं ; और

(ग) आवेदकों को टेलीफोन कनेक्शन कब तक मिल जायेंगे और इस कार्य को शीघ्र करने के लिये क्या कार्यवाही की जा रही है ?

सूचना तथा प्रसारण और संचार मंत्री (श्री सत्य नारायण सिंह): (क) 31 मार्च, 1970 को चार।

(ख) सबसे पुराना विचाराधीन आवेदन-पत्र 16 जनवरी, 1968 का है।

(ग) ये लम्बी दूरी के कनेक्शन हैं और आवश्यक सामग्री के उपलब्ध न होने के कारण, जिनकी सप्लाई कम हो रही है, इन कनेक्शनों की व्यवस्था नहीं की जा सकी। ऐसी संभावना है कि अगले छः महीनों के भीतर इन कनेक्शनों की व्यवस्था कर दी जाएगी।

### संसद् सदस्यों से पत्राचार

*906. श्री राम स्वरूप विद्यार्थी : क्या श्रम तथा पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1 जनवरी, 1969 से 28 फरवरी, 1970 तक संसद् सदस्यों से कितने पत्र प्राप्त हुए और उनमें क्या प्रश्न उठाये गये हैं ;

(ख) उनमें से कितने पत्रों का अन्तिम रूप से उत्तर दे दिया गया है और उत्तर देने में कितना समय लगा ;